CBSE Class 10 Hindi A

Sample Paper 02 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

i. इस प्रश्न-पत्र में दो खंड हैं – खंड – अ और खंड – ब।
ii. खंड-अ में कुल 9 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उप प्रश्न दिए गये है।
iii. खंड-ब में कुल 8 वर्णात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
iv. दिये गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

संस्कृतियों के निर्माण में एक सीमा तक देश और जाति का योगदान रहता है। संस्कृति के मूल उपादान तो प्रायः सभी सुसंस्कृत और सभ्य देशों में एक सीमा तक समान रहते हैं, किंतु बाहय उपादानों में अंतर अवश्य आता है। राष्ट्रीय या जातीय संस्कृति का सबसे बड़ा योगदान यही है कि वह हमें अपने राष्ट्र की परंपरा से संपृक्त बनाती है, अपनी रीति-नीति की संपदा से विच्छिन्न नहीं होने देती। आज के युग में राष्ट्रीय एवं जातीय संस्कृतियों के मिलन के अवसर अति सुलभ हो गए हैं, संस्कृतियों का पारस्परिक संघर्ष भी शुरू हो गया है। कुछ ऐसे विदेशी प्रभाव हमारे देश पर पड़ रहे हैं, जिनके आतंक ने हमें स्वयं अपनी संस्कृति के प्रति संशयालु बना दिया है। हमारी आस्था डिगने लगी है। यह हमारी वैचारिक दुर्बलता का फल है।

अपनी संस्कृति को छोड़, विदेशी संस्कृति के विवेकहीन अनुकरण से हमारे राष्ट्रीय गौरव को जो ठेस पहुंच रही है, वह किसी राष्ट्रप्रेमी जागरूक व्यक्ति से छिपी नहीं है। भारतीय संस्कृति में त्याग और ग्रहण की अद्भुत क्षमता रही है। अतः आज के वैज्ञानिक युग में हम किसी भी विदेशी संस्कृति के जीवंत तत्वों को ग्रहण करने में पीछे नहीं रहना चाहेंगे, किंतु अपनी सांस्कृतिक निधि की उपेक्षा करके नहीं। यह परावलंबन राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है। यह स्मरण रखना चाहिए कि सूर्य की आलोकप्रदायिनी किरणों से पौधे को चाहे जितनी जीवनशक्ति मिले, किंतु अपनी जमीन और अपनी जड़ों के बिना कोई पौधा जीवित नहीं रह सकता। अविवेकी अनुकरण अज्ञान का ही पर्याय है।

I. आधुनिक युग में संस्कृतियों में परस्पर संघर्ष प्रारंभ होने का प्रमुख कारण बताइए।
   i. अनेक संस्कृतियों के मिलन से अतिक्रमण
   ii. बाह्य उपादान में अंतर
   iii. आस्था का डिगना
   iv. वैचारिक दुर्बलता

II. अविवेकी अनुकरण किसका पर्याय है?

i. अज्ञानता का

ii. साक्षरता का

iii. ज्ञान का

iv. संस्कृति का

III. संस्कृति के निर्माण में किसका योगदान है?

i. केवल जाति का

ii. केवल देश का

iii. जाति और देश का

iv. उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं

IV. हम अपनी सांस्कृतिक संपदा की उपेक्षा क्यों नहीं कर सकते?

i. क्योंकि यह हमारी संस्कृति है

ii. क्योंकि यह राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है

iii. क्योंकि यह राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप है

iv. क्योंकि यह हमारी संस्कृति नहीं है

V. हम विदेशी संस्कृति से क्या ग्रहण कर सकते हैं?

i. संस्कृति के जीवंत तत्वों को

ii. संस्कृति के अजीवंत तत्वों को

iii. संस्कृति के त्याग को

iv. संस्कृति के ग्रहण की क्षमता को

OR

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

आत्मनिर्भरता का अर्थ है-अपने ऊपर निर्भर रहना। जो व्यक्ति दूसरे के मुँह को नहीं ताकते वे ही आत्मनिर्भर होते हैं। वस्तुतः आत्मविश्वास के बल पर कार्य करते रहना आत्मनिर्भरता है। आत्मनिर्भरता का अर्थ है-समाज, निज तथा राष्ट्र की आवश्यकताओं की पूर्ति करना। व्यक्ति, समाज तथा राष्ट्र में आत्मविश्वास की भावना, आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। स्वावलंबन जीवन की सफलता की पहली सीढ़ी है। सफलता प्राप्त करने के लिए व्यक्ति को स्वावलंबी अवश्य होना चाहिए। स्वावलंबन व्यक्ति, समाज, राष्ट्र के जीवन में सर्वांगीण सफलता प्राप्ति का महामंत्र है। स्वावलंबन जीवन का अमूल्य आभूषण है, वीरों तथा कर्मयोगियों का इष्टदेव है। सर्वांगीण उन्नति का आधार है।

जब व्यक्ति स्वावलंबी होगा, उसमें आत्मनिर्भरता होगी, तो ऐसा कोई कार्य नहीं जिसे वह न कर सके। स्वावलंबी मनुष्य के सामने कोई भी कार्य आ जाए, तो वह अपने दृढ़ विश्वास से, अपने आत्मबल से उसे अवश्य ही पूर्ण कर लेगा। स्वावलंबी मनुष्य जीवन में कभी भी असफलता का मुँह नहीं देखता। वह जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर कामयाब होता जाता है। सफलता तो स्वावलंबी मनुष्य की दासी बनकर रहती है। जिस व्यक्ति का स्वयं अपने आप पर ही विश्वास नहीं, वह भला क्या कर पाएगा? परंतु इसके विपरीत जिस व्यक्ति में आत्मनिर्भरता होगी, वह कभी किसी के सामने नहीं झुकेगा। वह जो करेगा सोचसमझकर

धैर्य से करेगा। मनुष्य में सबसे बड़ी कमी स्वावलंबन का न होना है। सबसे बड़ा गुण भी मनुष्य की आत्मनिर्भरता ही है।

I. किन व्यक्तियों को आत्मनिर्भर कहा जा सकता है?
   i. जो दूसरों का मुँह नहीं ताकते हैं
   ii. जो दूसरों का मुँह ताकते हैं
   iii. जो दूसरों पर निर्भर रहते हैं
   iv. जो आत्मविश्वासी नहीं होते

II. गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।
   i. स्वतंत्रता
   ii. आत्मनिर्भरता
   iii. आत्ममंथन
   iv. आत्मविश्वास

III. जीवन का अमूल्य आभूषण किसे कहा गया है?
   i. आत्मनिर्भरता को
   ii. आत्मविश्वास को
   iii. स्वावलंबन को
   iv. इनमें से कोई नहीं

IV. स्वावलंबी की दासी किसे कहा गया है?
   i. सफलता को
   ii. असफलता को
   iii. परिश्रम को
   iv. आत्मनिर्भरता को

V. स्वावलंबी मनुष्य प्रत्येक कार्य को कैसे पूरा करता है ?
   i. मन से
   ii. दिमाग से
   iii. दासता से
   iv. आत्मबल से

2. **निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:**

उठे राष्ट्र तेरे कंधों पर, बढ़े प्रगति के प्रांगण में।
पृथ्वी को राख दिया उठाकर, तूने नभ के आँगन में॥
तेरे प्राणों के ज्वारों पर, लहराते हैं देश सभी।
चाहे जिसे इधर कर दे तू, चाहे जिसे उधर क्षण में॥
मत झुक जाओ देख प्रभंजन, गिरि को देख न रुक जाओ।

और न जम्बुक-से मृगेंद्र को, देख सहम कर लुक जाओ॥

झुकना, रुकना, लुकना, ये सब कायर की सी बातें हैं।
बस तुम वीरों से निज को बढ़ने को उत्सुक पाओ॥
अपनी अविचल गति से चलकर नियतिचक्र की गति बदलो।
बढ़े चलो बस बढ़े चलो, हे युवक! निरंतर बढ़े चलो।
देश-धर्म-मर्यादा की रक्षा का तुम व्रत ले लो।
बढ़े चलो, तुम बढ़े चलो, हे युवक! तुम अब बढ़े चलो॥

I. राष्ट्र को प्रगति के पथ पर ले जाने का दायित्व किसके कंधों पर है?
   i. युवाओं के
   ii. वृद्धों के
   iii. नेताओं के
   iv. सरकार के

II. किन बातों को कायरों की सी बातें कहा गया है?
   i. कठिनाइयों से घबराना
   ii. कठिनाइयों को दूर करना
   iii. कठिनाइयों का सामना करना
   iv. कठिनाइयों का विरोध करना

III. 'नियतिचक्र की गति बदलो' में निहित अलंकार बताइए।
   i. अनुप्रास अलंकार
   ii. यमक अलंकार
   iii. रूपक अलंकार
   iv. उत्प्रेक्षा अलंकार

IV. 'चाहे जिसे इधर कर दे तू चाहे जिसे उधर क्षण में'- इस पंक्ति से नवयुवकों की कौन सी विशेषता प्रकट हो रही है?
   i. असंभव को संभव करने की
   ii. संभव को असंभव करने की
   iii. वस्तु को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने की
   iv. आगे बढ़ने की

V. कवि नवयुवकों से क्या आह्वान कर रहा है?
   i. रुकने की
   ii. देखने की
   iii. आगे बढ़ने की
   iv. कहीं न जाने की

OR

निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

प्राइवेट बस का ड्राइवर है तो क्या हुआ?
सात साल की बच्ची का पिता तो है।
सामने गीयर से ऊपर
हुक से लटका रखी हैं
काँच की चार गुलाबी चूड़ियाँ।
बस की रफ़्तार के मुताबिक
हिलती रहती हैं,
झुक कर मैंने पूछ लिया,
खा गया मानो झटका।
अधेड़ उम्र का मुच्छड़ रौबीला चेहरा
आहिस्ते से बोला : हाँ सा'ब
लाख कहता हूँ नहीं मानती मुनियाँ ।

I. 'बच्ची का पिता तो है' पंक्ति में किस भाव की अभिव्यक्ति हुई है?
   i. बच्ची के प्रति लगाव
   ii. बच्ची के प्रति ज़िम्मेदारी
   iii. बच्ची के प्रति रोष
   iv. बच्ची के प्रति क्रोध

II. ड्राइवर झटका क्यों खा गया?
   i. चूड़ियों को देखकर
   ii. उसे अपनी बिटिया की याद आ गई थी
   iii. उसे अपना घर याद आ गया था
   iv. उसे बच्ची की याद आ गई थी

III. 'खा गया मानो झटका' में निहित अलंकार का नाम बताइए।
   i. उपमा अलंकार
   ii. रूपक अलंकार
   iii. अनुप्रास अलंकार
   iv. उत्प्रेक्षा अलंकार

IV. बस में चूड़ियाँ किसने लटकाई थी?
   i. पिता ने
   ii. ड्राइवर ने

iii. कवि ने

iv. बच्ची ने

V. ड्राइवर से कौन प्रश्न पूछ रहा है ?

i. उसकी बच्ची

ii. कवि

iii. लेखक

iv. पिता

3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. संज्ञा उपवाक्य किसका भेद है ?

a. मिश्र वाक्य का

b. विशेषण उपवाक्य का

c. संयुक्त वाक्य का

d. सरल वाक्य का

ii. वह परिश्रम करता है लेकिन उसे उसका लाभ नहीं मिलता। - वाक्य के लिए उचित सरल वाक्य होगा -

a. वह परिश्रम करता है पर उसे उसका लाभ नहीं मिलता।

b. उसे परिश्रम करना था पर उसे लाभ नहीं मिलता।

c. वह परिश्रम करता है इसलिए उसे लाभ नहीं मिलता।

d. उसको अपने परिश्रम का लाभ नहीं मिलता।

iii. आपकी वह किताब कहाँ है, <u>जो आपने वहाँ रखी थी</u>। - रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए।

a. विशेषण उपवाक्य

b. क्रिया विशेषण उपवाक्य

c. संज्ञा उपवाक्य

d. प्रधान उपवाक्य

iv. सरल वाक्य में एक कर्ता और एक _____ का होना आवश्यक है।

a. सर्वनाम

b. क्रिया

c. विशेषण

d. संज्ञा

v. उसने कहा। वह जयपुर जा रहा है। - वाक्य का उचित मिश्र वाक्य होगा -

a. उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

b. उसने अपने जयपुर जाने के के बारे में कहा।

c. वह कल जयपुर जाएगा उसने ऐसा कहा।

d. उसने कहा था वह कल जयपुर जाएगा।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. बच्चे खेलेंगे - वाक्य के लिए उचित भाववाच्य होगा -
      a. बच्चे खेल चुके।
      b. बच्चे खेल रहे थे।
      c. बच्चे खेले थे।
      d. बच्चों द्वारा खेला जाएगा।
   ii. निम्नलिखित वाक्य का वाच्य बताइए -
      गाँधी जी ने विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया।
      a. कर्तृवाच्य
      b. भाववाच्य
      c. कर्मवाच्य
      d. संज्ञावाच्य
   iii. बच्चा रोता है - वाक्य के लिए उचित भाववाच्य होगा-
      a. बच्चे जागेंगे।
      b. बच्चे से रोया जाता है।
      c. अब तो बच्चा रोया होगा।
      d. बच्चा रोया होगा।
   iv. वाच्य के कितने प्रकार हैं ?
      a. तीन
      b. चार
      c. एक
      d. दो
   v. मोहन से फूल तोड़ा जाता है - उदाहरण किस वाच्य का है ?
      a. विशेषण
      b. कर्तृवाच्य
      c. भाववाच्य
      d. कर्मवाच्य
5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. वाक्य में प्रयुक्त पदों का व्याकरणिक परिचय देना _____ कहलाता है।
      a. अर्थ
      b. शब्द
      c. भाव
      d. पद परिचय

ii. गीता सातवीं कक्षा में पढ़ रही है- रेखांकित पद का उचित पद परिचय कौन सा होगा?

a. प्रश्नवाचक विशेषण

b. संख्यावाचक विशेषण

c. परिमाणवाचक विशेषण

d. गुणवाचक विशेषण

iii. वह भावुक व्यक्ति है - रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा -

a. गुणवाचक विशेषण

b. संख्यावाचक विशेषण

c. सार्वनामिक विशेषण

d. परिमाणवाचक विशेषण

iv. हमेशा तेज़ चला करो। रेखांकित पद के लिए उचित परिचय होगा -

a. विस्मयादिबोधक

b. क्रियाविशेषण

c. समुच्चयबोधक

d. संबंधबोधक

v. वे विद्यालय गए परन्तु वहाँ अवकाश था - रेखांकित पद के लिए उचित परिचय चुनिए।

a. संबंधबोधक

b. समुच्चयबोधक

c. क्रियाविशेषण

d. विस्मयादिबोधक

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. वीर रस का आलम्बन विभाव होगा -

a. आवेग

b. उत्साही व्यक्ति

c. शत्रु

d. आक्रमण

ii. श्रृंगार रस में बिछुड़ने वाले पक्ष को क्या कहते हैं?

a. वियोग

b. संयोग

c. सहयोग

d. दुर्योग

iii. विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से रस रूप में क्या परिवर्तित हो जाते हैं ?

a. व्यभिचारी भाव

b. भाव

c. संचारी भाव

d. स्थायी भाव

iv. किलकत कान्ह घुटुरुवनि आवत - पंक्ति का स्थायी भाव लिखिए।

a. स्नेह

b. शोक

c. वत्सल

d. ममता

v. तुझे विदा कर एकाकी अपमानित - सा रहता हूँ बेटा ?

दो आँसू आ गए समझता हूँ उनसे बहता हूँ बेटा ?

पंक्तियों में प्रयुक्त रस लिखिए।

a. रौद्र रस

b. हास्य रस

c. वीर रस

d. करुण रस

7. **निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़िए और नीचे दिये गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

नमक-मिर्च छिड़क दिये जाने से खीरे की पनियाती फाँकें देखकर मुँह में पानी जरूर आ रहा था, लेकिन इंकार कर चुके थे। आत्म-सम्मान निबाहना ही उचित समझा। उत्तर दिया, "शुक्रिया, इस वक्त तलब महसूस नहीं हो रही है, मेदा भी जरा कमजोर है, किबला शौक फरमाएँ।"

नवाब साहब ने सतृष्ण आँखों से नमक-मिर्च के संयोग से चमकती खीरे की फाँकों की ओर देखा। खिड़की के बाहर देखकर दीर्घ निःश्वास लिया। खीरे की एक फाँक उठाकर होठों तक ले गये। फाँक को सूँघा। स्वाद के आनन्द में पलकें मूँद गई। मुँह में भर आए पानी का घूँट गले से उतर गया। तब नवाब साहब ने फाँक को खिड़की से बाहर छोड़ दिया। नवाब साहब खीरे की फाँकों को नाक के पास ले जाकर, वासना से रसास्वादन कर खिड़की के बाहर फेंकते गये।

I. लेखक के मुँह में पानी क्यों आ रहा था?

i. खीरे को देखकर

ii. उन्हें बीमारी थी

iii. भूख के कारण

iv. नवाब साहब को देखकर

II. नवाब साहब ने खीरे का रसास्वादन कैसे किया?

i. खिड़की से फेंककर

ii. खाकर

iii. लेखक को खिलाकर

iv. सूँघकर

III. लेखक ने नवाब साहब को खीरे के लिए ना क्यों कहा?

i. उन्हें खीरा पसंद नहीं था

ii. आत्मसम्मान बचाने के लिए

iii. मेदा कमजोर होने के कारण

iv. मनाही के कारण

IV. नवाब साहब की पलकें क्यूँ मूँद गईं?

i. स्वाद के आनंद में

ii. खीरे की चमक से

iii. खीरे की सुगंध से

iv. मुँह में पानी आने से

V. तलब शब्द का क्या अर्थ है?

i. पानी

ii. संयम

iii. जरूरत

iv. सुगंध

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. हालदार साहब को मूर्ति का कौनसा आईडिया रियल लगा ?

a. मूर्ति की टोपी

b. मूर्ति का कोट

c. मूर्ति पर असली फ्रेम का

d. कोट के बटन

ii. फादर कामिल बुल्के के शोध-प्रबंध के दौरान प्रयाग विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष कौन थे?

a. डॉ० रघुवंश

b. डॉ० सत्यप्रकाश

c. डॉ० निर्मला जैन

d. डॉ० धीरेंद्र वर्मा

iii. मातरलिंक के किस प्रसिद्ध नाटक का अनुवाद फादर बुल्के द्वारा किया गया?

a. पैलेस एंड मिलिसेन्डे

b. ब्लू बर्ड

c. ब्लिंड

d. द ब्लाइंड

9. **निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

अट नहीं रही है आभा फागुन की तन

सट नहीं रही है। कहीं साँस लेते हो,
घर-घर भर देते हो, उड़ने को नभ में तुम
पर-पर कर देते हो, आँख हटाता हूँ तो।
हट नहीं रही है। पत्तों से लदी डाल
कहीं हरी, कहीं लाल, कहीं पड़ी है उर में
मंद-गंध-पुष्प-माल, पाट-पाट शोभा-श्री
पट नहीं रही है।

I. कवि ने किस महीने की सुन्दरता का वर्णन किया है?
   i. सावन
   ii. वसंत
   iii. फागुन
   iv. ग्रीष्म

II. 'पाट-पाट शोभा-श्री पट नहीं रही है' पंक्ति में पाट-पाट का क्या अर्थ है?
   i. जगह-जगह
   ii. समाना
   iii. प्रकृति
   iv. बादल

III. साँस लेना किस स्थिति का परिचायक है?
   i. सुगंधित हवाओं का
   ii. जिंदा रहने का
   iii. बादल गरजने का
   iv. जगह का

IV. शोभा-श्री का क्या अर्थ है?
   i. प्रकृति
   ii. सौन्दर्य से भरपूर
   iii. सौन्दर्य
   iv. जगह-जगह

V. किस पर से आँख नहीं हटती है?
   i. फागुन की आभा
   ii. सुगंधित हवाओं
   iii. वसंत की सुंदरता
   iv. रंग-बिरंगी पत्तियों

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. परशुराम जी के गुरु कौन थे जिनके ऋण से वे उऋण होना चाहते थे।
   a. बाल्मीकी
   b. विष्णु
   c. शिव
   d. ब्रहमा

ii. **ऋतुराज** के आधार पर बताइए 'दुःख बांचना' का अर्थ है -
   a. दुःख बांटना
   b. किसी को दुःख पहुँचाना
   c. दुःख की चर्चा करना
   d. दुख को समझ पाना

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:
   i. बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ लिखिए।
   ii. नवाब साहब ने बहुत ही यत्न से खीरा काटा, नमक-मिर्च बुरका, अंतत: सूँघकर ही खिड़की से बाहर फेंक दिया। उन्होंने ऐसा क्यों किया होगा? उनका ऐसा करना उनके कैसे स्वभाव को इंगित करता है?
   iii. नगरपालिका ने नेताजी की मूर्ति चौराहे पर लगवाने की हड़बड़ाहट क्यों दिखाई थी?
   iv. मानवीय करुणा की दिव्य चमक पाठ में लेखक ने लिखा है – **नम आँखों को गिनना स्याही फैलाना है।** लेखक ने ऐसा क्यों कहा है?
12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:
   i. 'उसे सुख का आभास तो होता था, लेकिन दुःख बाँचना नहीं आता था', 'कन्यादान' कविता के आधार पर भावार्थ स्पष्ट कीजिए।
   ii. उत्साह कविता में बादल के माध्यम से कवि निराला के जीवन की झलक मिलती है। इस कथन से आप कितने सहमत/असहमत हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
   iii. परशुराम जी का परिचय दीजिये?
13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:
   i. "जब खाएगा बड़े-बड़े कौर तब पाएगा दुनिया में ठौर" पंक्ति के कथन का संदर्भ लिखकर बताइए कि “माता का आँचल पाठ में वर्णित माता अपने पुत्र को किस भाव से खिलाती थीं और इससे क्या शिक्षा ग्रहण करते हैं?
   ii. जॉर्ज पंचम की नाक लगने वाली खबर के दिन अखबार चुप क्यों थे?
   iii. **साना-साना हाथ जोड़ी** यात्रा-वृत्तांत में लेखिका ने हिमालय के जिन-जिन रूपों का चित्र खींचा है, उन्हें अपने शब्दों में लिखिए।
14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:
   i. **भारत में बाल मज़दूरी की समस्या** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
      - बाल मज़दूरी का अर्थ

- बाल मज़दूरी के कारण
- बाल मज़दूरी को दूर करने के उपाय

ii. **ट्रैफिक जाम में फंसा मैं** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- ट्रैफिक की समस्या का आधार
- लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी
- सुधार उपाय

iii. **आधुनिक जीवन में मोबाइल** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- वर्तमान समय में मोबाइल की महत्ता
- मोबाइल फोन द्वारा प्राप्त होने वाली सुविधाएँ
- मोबाइल फोन से होने वाले नुकसान

15. अपने विदेशी मित्र को अपने जीवन का लक्ष्य बताते हुए पत्र लिखिए।

OR

किसी महिला के साथ बस में हुए अभद्र व्यवहार को रोकने में बस कंडक्टर के साहस और कर्तव्य परायणता की प्रशंसा करते हुए परिवहन विभाग को पत्र लिखिए।

16. शैंपू बनाने वाली कंपनी के मालिक ने विज्ञापन बनाने को दिया है। आकर्षक विज्ञापन 25-50 तैयार कीजिए।

OR

बॉल पेनों की एक कंपनी 'सफल' नाम से बाज़ार में आई है। उसके लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

17. प्रधानाचार्य जी द्वारा छात्रों को हिंदी दिवस की शुभकामना देते हुए 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

OR

खाते में से पैसे निष्कासित होने पर बैंक द्वारा ग्राहक को 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

CBSE Class 10 Hindi A

Sample Paper 02 (2020-21)

Solution

खंड-अ वस्तुपरक प्रश्न

1. I. (i) अनेक संस्कृतियों के मिलन से अतिक्रमण
   II. (i) अज्ञानता का
   III. (iii) जाति और देश का
   IV. (ii) क्योंकि यह राष्ट्र की गरिमा के अनुरूप नहीं है
   V. (i) संस्कृति के जीवंत तत्वों को

OR

   I. (i) जो दूसरों का मुँह नहीं ताकते
   II. (ii) आत्मनिर्भरता
   III. (iii) स्वावलंबन को
   IV. (i) सफलता को
   V. (iv) आत्मबल से
2. I. (i) युवाओं के
   II. (i) कठिनाइयों से घबराना
   III. (iii) रूपक अलंकार
   IV. (i) असंभव को संभव करने की
   V. (ii) आगे बढ़ने की

OR

   I. (i) बच्ची के प्रति लगाव
   II. (ii) उसे अपनी बिटिया की याद आ गई थी
   III. (iv) उत्प्रेक्षा अलंकार
   IV. (iv) बच्ची ने
   V. (ii) कवि
3. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:
   i. (a) मिश्र वाक्य का

   Explanation: आश्रित उपवाक्यों के तीन भेद होते हैं - संज्ञा उपवाक्य, सर्वनाम उपवाक्य और क्रियाविशेषण

उपवाक्य।

ii. (d) उसको अपने परिश्रम का लाभ नहीं मिलता।

Explanation: इस वाक्य में एक कर्ता और एक क्रिया है इसलिए सरल वाक्य का उचित विकल्प यही है।

iii. (a) विशेषण उपवाक्य

Explanation: इस वाक्य में ' जो आपने वहाँ रखी थी ' उपवाक्य 'वह किताब' की विशेषता प्रकट कर रहा है इसलिए यह विशेषण उपवाक्य है।

iv. (b) क्रिया

Explanation: सरल वाक्य में एक कर्ता और एक क्रिया का होना आवश्यक होता है। इनमें से किसी भी एक के अभाव में वाक्य पूरा नहीं होता।

v. (a) उसने कहा कि वह कल जयपुर जाएगा।

Explanation: कि वह कल जयपुर जाएगा - संज्ञा उपवाक्य होने के कारण मिश्र वाक्य है।

4. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) बच्चों द्वारा खेला जाएगा।

Explanation: यही उचित भाववाच्य होगा क्योंकि भाववाच्य में वाक्य को परिवर्तित करते समय कर्ता के साथ 'से', 'द्वारा' या 'के द्वारा' लगाया जाता है और क्रिया अन्य पुरुष एकवचन की हो जाती है।

ii. (a) कर्तृवाच्य

Explanation: यह कर्तृवाच्य का उदाहरण है क्योंकि यहाँ 'गांधी जी' कर्ता के अनुसार ही वाक्य की क्रिया है।

iii. (b) बच्चे से रोया जाता है।

Explanation: भाववाच्य का उचित उदाहरण यही होगा क्योंकि यहाँ क्रिया 'रोया जाता है' अन्यपुरुष एकवचन की है और कर्ता 'बच्चे' के साथ 'से' लगा हुआ है।

iv. (a) तीन

Explanation: वाच्य के तीन भेद होते हैं -
कर्तृवाच्य, कर्मवाच्य और भाववाच्य

v. (d) कर्मवाच्य

Explanation: यह कर्मवाच्य का उदाहरण है क्योंकि यहाँ कर्ता 'मोहन' के साथ 'से' लगा हुआ है और क्रिया 'फूल' कर्म के अनुसार है।

5. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (d) पद परिचय

Explanation: व्याकरण के नियमों के अनुसार ही वाक्य के लिंग, वचन, क्रिया आदि बताना ही पद परिचय कहलाता है।

ii. (b) संख्यावाचक विशेषण

Explanation: 'सातवीं' संख्या होने के कारण संख्यावाचक विशेषण है।

iii. (a) गुणवाचक विशेषण

Explanation: यहाँ 'भावुक' होना व्यक्ति का गुण होने के कारण गुणवाचक विशेषण है।

iv. (b) क्रियाविशेषण

Explanation: 'चलने' क्रिया की विशेषता बताने के कारण 'तेज़' क्रियाविशेषण है।

v. (b) समुच्चयबोधक

Explanation: यह समुच्चयबोधक अव्यय है और विभाजक का कार्य कर रहा है।

6. निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्ही चार के उत्तर दीजिये:

i. (c) शत्रु

Explanation: जिस व्यक्ति (शत्रु) के प्रति मन में वीरता की भावना का संचार होता है और उत्साही व्यक्ति कर्म करने को प्रेरित होता है वही वीर रस का आलंबन विभाव है।

ii. (a) वियोग

Explanation: श्रृंगार रस में मिलने वाला पक्ष संयोग और बिछुड़ने वाला पक्ष वियोग कहलाता है।

iii. (d) स्थायी भाव

Explanation: विभाव, अनुभाव और संचारी भाव की सहायता से स्थायी भाव को रस रूप में परिवर्तित कर देते हैं।

iv. (c) वत्सल

Explanation: कृष्ण को घुटनों के बल चलता हुआ देखकर माँ प्रसन्न हो रही है और उसकी ममता प्रकट होने के कारण वात्सल्य रस है। इसका स्थायी भाव 'वत्सल' होता है।

v. (d) करुण रस

Explanation: बेटे के जाने के बाद पिता की व्याकुलता व्यक्त होने के कारण यहाँ करुण रस की प्रधानता है।

7. I. (i) खीरे को देखकर

II. (iv) सूँघकर

III. (ii) आत्मसम्मान बचाने के लिए

IV. (i) स्वाद के आनंद में

V. (iii) जरूरत

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. (c) मूर्ति पर असली फ्रेम का

Explanation: मूर्ति पर चश्मे का असली फ्रेम लगा हुआ देखकर नेताजी को अच्छा लगा कि मूर्ति संगमरमर की और उस पर चश्मा रियल।

ii. (d) डॉ० धीरेंद्र वर्मा

Explanation: फादर कामिल बुल्के ने अपना शोध प्रबंध राम कथा : उत्पत्ति और विकास डॉ० धीरेंद्र वर्मा की अध्यक्षता में पूरा किया।

iii. (b) ब्लू बर्ड

Explanation: मातरलिंक के प्रसिद्ध नाटक ब्लू बर्ड का हिंदी अनुवाद फादर बुल्के द्वारा नीलपंछी नाम से किया गया।

9. I. (ii) फागुन

II. (i) जगह-जगह

III. (i) सुगंधित हवाओं का

IV. (ii) सौन्दर्य से भरपूर

V. (iv) रंग-बिरंगी पत्तियों

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिये:

i. (c) शिव

Explanation: परशुराम जी के गुरु शिव ने उन्हें प्रसाद स्वरूप जो धनुष प्रदान किया था उसको तोड़ने वाले को दंडित कर वह गुरु ऋण से उऋण होना चाहते थे।

ii. (d) दुख को समझ पाना

Explanation: दुःख बांचना-दुःख के कारण समझ पाना ।

खंड-ब वर्णात्मक प्रश्न

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 25-30 शब्दों में दीजिये:

i. बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ-

- गृहस्थ होते हुए भी साधुओं वाला जीवन
- सांसारिक वस्तुओं से मोह न होना, संतोषी प्रवृत्ति

ii. नवाब साहब द्वारा दिए गए खीरा खाने के प्रस्ताव को लेखक ने अस्वीकृत कर दिया। खीरा खाने की इच्छा तथा सामने वाले यात्री के सामने अपनी झूठी साख बनाए रखने की उलझन में नवाब साहब ने खीरा खाने की सोची परन्तु उसे तुच्छ दिखाने के इरादे से नवाब साहब ने खीरा यत्नपूर्वक काटा और सूँघ कर ही उसका स्वाद लेते हुए उसकी एक-एक फाँक को खिड़की से बाहर फेंक दिया ।नवाब के इस कार्य से ऐसा प्रतीत होता है कि वे प्रदर्शनवादी प्रवृत्ति के थे और नजाकत ,नफासत दिखाने के लिए कुछ भी कर सकते थे..

iii. मूर्ति को देख कर ऐसा लगता था कि नगरपालिका को देश के अच्छे मूर्ति कारों की जानकारी नहीं होगी और अच्छी मूर्ति बजट से ज्यादा की होने के कारण काफी समय प्रशासनिक पत्राचार में लग गया,साथ ही प्रशासनिक अधिकारी के शासन अवधि समाप्त होने में बहुत कम समय शेष था इसीलिए नजदीकी हाई स्कूल के ड्रॉइंग मास्टर को मूर्ति बनाने का काम सौंपा गया। प्रशासनिक अधिकारियों की हड़बड़ाहट का अंदेशा मूर्ति देखकर लगाया जा सकता है।

iv. उनकी मृत्यु पर इतनी भीड़ उमड़ पड़ी की लोगों को गिनने को प्रयास करना या नाम लिखना व्यर्थ व स्याही फ़ैलाने के जैसा होगा। फादर की अंतिम यात्रा के समय कई लोगों की आँखों से आँसू निकल रहे थे और बाकी की आँखें नम थीं। वहाँ आए सभी लोग अपने अपने तरीके से उदास थे।

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

i. कन्यादान कविता माँ अपनी बेटी के बारे बतातीं है कि उसे अभी सांसारिक व्यवहार का, जीवन के कठोर यथार्थ का ज्ञान नहीं था। बस उसे वैवाहिक सुखों के बारे में थोड़ा-सा ज्ञान था। जीवन के प्रति लड़की की समझ सीमित थी। अर्थात् वह विवाहोपरांत आने वाली कठिनाइयों से परिचित नहीं थी। साथ ही वह समाज के छल-कपट को समझ नहीं सकती ।

ii. 'उत्साह' कविता से निराला के जीवन की झलक मिलती है | निराला एक क्रांतिकारी कवि थे | वे समाज के लोगों में नवीन उत्साह जगाना चाहते थे | स्वाभिमानी निराला वज्र तुल्य कठोर थे तो भिक्षुओं, मजदूरों, निर्धनों के प्रति उनके मन

में करुणा का सागर भी लहराता था।

iii. भगवान परशुराम को पौराणिक कथाओं में विष्णु का छठा अवतार माना जाता है इनका संबंध त्रेता युग से है | भगवान शिव ने जब इन्हें अपना फरसा प्रदान किया तब पृथ्वी लोक पर इन्हें हराना असंभव हो गया। परशुराम जी भृगु कुल के वंशज, बाल ब्रह्मचारी, क्षत्रिय कुल से द्रोह करने वाले स्वयं अपने मुँह से अपनी प्रशंसा करने वाले महा क्रोधी मुनि थे । शिवधनुष के टूटते ही उनका क्रोध अपने चरम स्तर पर पहुँच गया और तत्काल स्वयंवर सभा में पहुँचकर वहाँ उपस्थित सभी लोगों को ललकारने लगे और शिवधनुष तोड़ने वाले का परिचय जानने का प्रयास करने लगे।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 40-50 शब्दों में दीजिये:

i. माता अपने पुत्र को इस भाव से खिलाती थी कि उन्हें लगता था कि मर्द बच्चों को खाना खिलाने का ढंग नहीं जानते। बच्चों का पेट तो माँ के हाथ से खाने पर ही भरता है। भोलानाथ का पेट भरा हुआ होने पर भी वह अलग-अलग पक्षियों के नाम लेकर दही-चावल के बड़े-बड़े कौर उसके मुँह में डालकर उसे यह कहती कि जल्दी से खा लो नहीं तो पक्षी उड़ जाएँगे और बच्चा उनके उड़ने से पहले खा लेता। माँ के अनुसार बच्चा बड़े-बड़े कौर खाकर ही दुनिया में अपना एक निश्चित स्थान बना पाएगा। वे अपने पति से कहती हैं कि आप तो छोटे-छोटे कौर बनाकर बच्चे के मुँह में देते हैं, इससे थोड़ा सा खाकर ही बच्चा सोच लेता है कि उसने बहुत खा लिया और उसका पेट भर गया। माता का मन ममता से परिपूर्ण होता है | इससे हम यह शिक्षा ग्रहण करते हैं कि माँ का मन बड़ा ही कोमल और ममता से भरा हुआ होता है | उसका मन तब तक सन्तुष्ट नहीं होता है जब तक कि वह अपने बच्चे को अपने हाथों से न खिला ले। अतः हमें भी अपनी माँ का उसी प्रकार ध्यान रखना चाहिए जिस प्रकार माँ हमारा ध्यान करती है |

ii. जॉर्ज पंचम की लाट पर जिस दिन जिंदा नाक लगाई गई उस दिन सभी अखबार चुप थे | न किसी समारोह, न किसी नेता का भाषण आदि ख़बरें उस दिन के अख़बार में नहीं थी । वास्तव में वे सरकार के इस कृत्य से लज्जित थे | जिस जॉर्ज पंचम की तुलना शहीद हुए छोटे बच्चों की नाक से भी न की जा सकी | उस जॉर्ज पंचम की लाट पर अपने सम्मान की नाक कटवा कर जिंदा नाक फिट की गई। जिस के वंशजों ने वर्षों तक हमें गुलाम बनाकर हमारे ऊपर अन्याय और अत्याचार किए, उनके मान-सम्मान के लिए हम अपना मान-सम्मान ही भुला बैठे | मूर्ति की लाट पर जिंदा नाक लगना शर्मिंदगी से परिपूर्ण कृत्य था। यह घटना भारतीयों के आत्मसम्मान पर चोट पहुँचाने वाली थी इसलिए उस दिन सभी अखबार चुप थे।

iii. इस यात्रा के दौरान लेखिका ने हिमालय के प्रत्येक रूप को देखा और उसी प्रकार से उसका वर्णन किया है। हिमालय तो पर्वतराज के रुप में विख्यात है। हिमालय का सौंदर्य कभी-कभी अलौकिक अर्थात इस संसार से परे जान पड़ता है। वास्तव में हम हिमालय के जितना नजदीक जाते हैं। हम उसे उतने ही अधिक अलौकिक रूप में पाते हैं। हमें हिमालय की गोद में स्वर्ग की अनुभूति होती है। सेवन सिस्टरर्स जलप्रपात तो प्रकृति का जैसे एक अद्भुत चमत्कार है। इस प्रकार से लेखिका ने अपनी यात्रा के दौरान हिमालय के कई रूपों को देखा एवं उन सभी दृश्यों, नजारों का वर्णन अपने यात्रा वृतांत में किया है।

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

i. 'बाल मज़दूरी' से तात्पर्य ऐसी मज़दूरी से है, जिसके अंतर्गत 5 वर्ष से 14 वर्ष तक के बच्चे किसी संस्थान में कार्य करते हैं। जिस आयु में उन बच्चों को शिक्षा मिलनी चाहिए, उस आयु में वे किसी दुकान रेस्टोरेंट पटाखे की फैक्टरी, हीरे तराशने की फैक्टरी, शीशे का सामान बनाने वाली फैक्टरी आदि में काम करते हैं।

भारत जैसे विकासशील देश में बाल मजदूरी के अनेक कारण हैं। अशिक्षित व्यक्ति शिक्षा का महत्त्व न समझ पाने के कारण

अपने बच्चों को मज़दूरी करने के लिए भेज देते हैं। जनसंख्या वृद्धि बाल मज़दूरी का दूसरा सबसे बड़ा कारण है। निर्धन परिवार के सदस्य पेट भरने के लिए छोटे-छोटे बच्चों को काम पर भेज देते हैं।

भारत में बाल मज़दूरी को गंभीरता से नहीं लिए जाने के कारण इसे प्रोत्साहन मिलता है। देश में कार्य कर रही सरकारी, गैर-सरकारी और निजी संस्थाओं की इस समस्या के प्रति गंभीरता दिखाई नहीं देती। बाल मज़दूरी की समस्या का समाधान करने के लिए सरकार कड़े कानून बना सकती है। समाज के निर्धन वर्ग को शिक्षा प्रदान करके बाल मज़दूरी को प्रतिबंधित किया जा सकता है। जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण कर भी बाल मज़दूरी को नियंत्रित किया जा सकता है। ऐसी संस्थाओं को प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए, जो बाल मज़दूरी का विरोध करती हैं या बाल मज़दूरी करने वाले बच्चों के लिए शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम चलाती हैं।

ii. **ट्रैफिक की समस्या का आधार-** विज्ञान ने आज हमारी जीवन शैली को पूरी तरह बदल दिया है विज्ञान के आविष्कारों में से एक महत्त्वपूर्ण आविष्कार है यातायात के साधन, जिससे हम मीलों की दूरी कूछ ही समय में सहजता से पूरी कर लेते हैं जिसे पूरा करने में प्राचीन समय में महीनों लग जाते थे। वर्तमान समय में अधिकांश लोगों के पास अपने निजी वाहन कार, मोटरसाइकिल, स्कूटर आदि हैं जो सड़कों पर जाम की दिनों -दिन बढ़ती समस्या का सबसे बड़ा कारण हैं।

लोगों की जल्दबाजी और व्यवस्था की कमी- आज हर व्यक्ति जल्दी में नजर आता है और इसी जल्दबाज़ी के कारण सड़क पर जाम लग जाता है। बाइक, कार-सवार अपनी लेन में चलने के स्थान पर दूसरे को ओवर टेक करते हैं तथा ट्रैफिक पुलिस के द्वारा सख्ती से अपने कर्तव्य पालन न करने के कारण इसे बढ़ावा मिलता है।

सुधार के उपाय- ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्ति पाने के लिए सरकार को ट्रैफिक के कड़े नियम बनाने चाहिए तथा सख्ती से उन्हें लागू करना चाहिए। इसके साथ ट्रैफिक के नियमों के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए। सभी के सम्मिलित प्रयासों से ही इस समस्या से निजात मिल सकता है।

iii. मोबाइल आज विश्व में क्रांति का वाहक बन गया है। बिना तारों वाला मोबाइल फ़ोन जगह-जगह लगे ऊँचे टॉवरों से तरंगों को ग्रहण करते हुए मनुष्य को दुनिया के प्रत्येक कोने से जोड़े रहता है। मोबाइल फ़ोन सेवा प्रदान करने के लिए विभिन्न टेलीफ़ोन कंपनियाँ अपनी-अपनी सेवाएँ देती हैं। मोबाइल फ़ोन बात करने, एसएमएस की सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के खेल, कैलकुलेटर, फ़ोनबुक की सुविधा, समाचार, चुटकुले, इंटरनेट सेवा आदि भी उपलब्ध कराता है। अनेक मोबाइल फोनों में इंटरनेट की सुविधा भी होती है, जिससे ई-मेल भी किया जा सकता है। मोबाइल फोन सुविधाजनक होने के साथ ही नुकसानदायक भी है। मोबाइल फ़ोन का सबसे बड़ा दोष यह है कि यह समय-असमय बजता ही रहता है। लोग सुरक्षा और शिष्टाचार भूल जाते हैं। अकसर लोग गाड़ी चलाते समय भी फ़ोन पर बात करते हैं, जो असुरक्षित ही नहीं, बल्कि कानूनन अपराध भी है। अपराधी एवं असामाजिक तत्त्व मोबाइल का गलत प्रयोग अनेक प्रकार के अवांछित कार्यों में करते हैं। इसके अधिक प्रयोग से कानों में हृदय पर बुरा प्रभाव पड़ता है। अतः इन खतरों से सावधान होना आवश्यक है।

15. दक्षिण पुरी,
नई दिल्ली
२४ मार्च २०१९
प्रिय मित्र राकेश,
सप्रेम नमस्कार

आज यह पत्र मैंने तुम्हें अपने दिल की बात बताने के लिए लिखा है जिसके विषय में मैंने किसी को भी नहीं बताया है। हालांकि तुम्हारा उच्च शिक्षा प्राप्त करने का स्वप्न साकार होने की स्थिति में है।

प्रिय ! मेरे जीवन का एक स्वप्न है जिसे मैं येन-केन प्रकारेण साकार और सार्थक करना चाहता हूँ। मैं देखता हूँ कि संसार में धन कमाने के बहुत से व्यवसाय हैं परन्तु जब मैं डॉक्टरों के शुभ कार्य को देखता हूँ तो मेरी डॉक्टर बनने की आकांक्षा और तीव्र हो जाती है। डॉक्टर जब रोते हुए किसी बीमार को सान्त्वना देकर परामर्श देकर उसके रोग का इलाज कर उसे नवजीवन प्रदान करता है तब उसके चेहरे पर जो सुकून और खुशी दिखाई देती है उसे देख कर तो मेरी इच्छा होती है कि मैं भी डॉक्टर बनूँ। अतः एम.बी.बी.एस. में प्रवेश पाने के लिए मैं अध्ययनरत हूँ। सफलता मिलने पर सूचित करूँगा।

शुभकामनाओं का अभिलाषी

आपका अभिन्न सुहृद्

महेश

OR

G-875, पालम गाँव,

नई दिल्ली - 110075

सेवा में

प्रबंधक

दिल्ली परिवहन

मुख्यालय

नेहरु प्लेस, नई दिल्ली

महोदय,

दिनांक-12.4.18 को मैं लोकल बस में शाहदरा से कनाट प्लेस अपने कार्यालय जा रहा था तभी बिना स्टॉप के कुछ गुंडे लड़के चलती हुई बस में चढ़ गए और एक लड़की से छेड़खानी करते हुए उसे तंग करना प्रारंभ कर दिया। बस नंबर डी.एल 27 बी 2324 के परिचालक एवं चालक दोनों ने साहस दिखाते हुए पहले तो उन गुंडे लड़कों को ऐसा करने से रोकने का प्रयास किया किन्तु जब वे नहीं माने तो रास्ते में पड़ने वाले पुलिस थाना मुद्रिका दिल्ली में ले जाकर बस खड़ी कर दी और इसकी लिखित शिकायत परिचालक ने वहाँ थानाध्यक्ष से की, चालक के इस कार्य को देख कर कुछ उत्साही यात्रियों ने भी उस के पक्ष का समर्थन किया और उनकी प्रशंसा करते हुये थानाध्यक्ष ने भी त्वरित कार्यवाही की और लड़की को सुरक्षित उसके घर पहुंचाया।

।

मैं परिचालक एवं चालक दोनों के इस कार्य से अत्यन्त प्रभावित हुआ और उनकी अनुशंसा करते हुए यह पत्र आपसे लिख रहा हूँ। कृपया उन्हें प्रशस्ति-पत्र तो विभाग की ओर से मिलना ही चाहिए ताकि अन्य लोगों को उनसे प्रेरणा मिलें।

धन्यवाद

प्रार्थी

गोविन्द सिंह

G-875, पालम गाँव

दिल्ली

दूरभाष न. - 987545XXXX

16.

सिर्फ 99 रूपये रिच शैंपू सिर्फ 99 रूपये

यह आपके बालों को रखें

पूरे दिन मुलायम और चमकदार।

'बालों का रखें ख्याल

दे मज़बूती बेमिसाल

कीमत है कम

लेकिन इसमें है दम।'

रिच शैंपू

दो के साथ

एक कंडीशनर फ्री

पता- दुकान नंबर 345 चांदनी चौक नई दिल्ली

OR

सफल बॉल पेन

सफल के बॉल पेन का इस्तेमाल करें। अपने बच्चों को जीवन में सफल बनाए। सफल के पेन चलते हैं एकदम स्मूद और रेशम से मुलायम। एक पेन के साथ एक मुफ्त पाए। आज ही अपने नजदीकी स्टेशनरी शॉप में जाएं या हमें लिखें।

संपर्क - सफल पेन , ए -८५ नेहरू प्लेस

17.

संदेश

14 सिम्बर 2020

8:00 बजे

मेरे प्रिय छात्रों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएँ। हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है और हमें राष्ट्रभाषा का प्रयोग करने पर गर्व का अनुभव होना चाहिए। अधिक से अधिक हिंदी का प्रयोग करने का प्रयत्न करना चाहिए।

प्रधानाचार्य

जी. के. सिंह

OR

संदेश

10 अक्टूबर 2020

दोपहर 12:00 बजे

प्रिय खाता धारक,

आपके खाता संख्या xxxxxxxx115 से ₹ 10,000 निष्काषित किए गए हैं। कुल जमा राशि ₹ 100,059.45 उपलब्ध है।

पंजाब नैशनल बैंक